तू ही मेरा मसीहा साई

तू ही मेरा मसीहा साई तू ही मेरा सहारा है,
जब जब मैं संकट में आया तूने ही उभारा है,
तू ही मेरा मसीहा साई

मन के आंगन में हम ने तेरी तस्वीर वसाई है ,
तेरी किरपा ने ऐ बाबा मेरी तकदीर जगाई है,
तेरी चाहत में हमने ये सारा जगत विसारा है,
जब जब मैं संकट में आया तूने ही उभारा है,
तू ही मेरा मसीहा साई

जीते जी शिरडी की गलियां कभी न साईं छोड़े गे,
तेरी भगती वंदन से कभी भी मुख न मोड़े गे,
तुम भी फेर न लेना अखियाँ ये न हमे गवारा है,
जब जब मैं संकट में आया तूने ही उभारा है,
तू ही मेरा मसीहा साई

तेरी किरपा जो हो जाए साईं बुजते दीप भी जल जाए,
राहो में हो जाए उजाले कांटे फूल में ढल जाए,
सोई किस्मत जाग उठे बस ऐसा कर्म तुम्हारा है,
जब जब मैं संकट में आया तूने ही उभारा है,
तू ही मेरा मसीहा साई

केवल हम पे किरपा करदो हम तकदीर के मारे है
जीत के बाजी दुनिया से हम अब किस्मत से हारे है
आपना किसे कहे दुनिया में सब ने किया किनारा है
जब जब मैं संकट में आया तूने ही उभारा है,
तू ही मेरा मसीहा साई

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16653/title/tu-hi-mera-masiha-sai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |